

प्रेषक,

राधा रतूड़ी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1. आयुक्त,
मनोरंजन कर/व्यापार कर।
2. महानिरीक्षक,
स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 08 जनवरी, 2010

विषय:- वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5, भाग-2 के प्रस्तर 417 एवं 478 में निर्धारित प्रपत्र संख्या-
43 ए को पुनरीक्षित किया जाना।

महोदय,

उपरोक्त विषयक पर शासनादेश संख्या-520/xxvii(1)/2009 दिनांक: 29 जुलाई, 2009 तथा शासनादेश संख्या-597/xxvii(5)/2009 दिनांक: 09 सितम्बर, 2009 के क्रम में शासन के संज्ञान में यह आया है कि मनोरंजन कर/व्यापार कर तथा स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभागों के अधिनियम तथा नियमावलियों में कोषागार तथा बैंक में धनराशि जमा करने के लिये चालान के निर्धारित प्रपत्र में आवश्यक संशोधन अभी तक नहीं किये जा सके हैं।

इसको दृष्टिगत रखते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मनोरंजन कर/व्यापार कर तथा स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभागों में संशोधित चालान प्रपत्र संख्या- 43ए (1) 43ए (2) का प्रयोग पुनः स्थगित किया जाता है। सम्बन्धित विभाग 28 फरवरी, 2010 तक अपने अधिनियमों/नियमावलियों में तद्विषयक आवश्यक संशोधन करते हुये शासनादेश संख्या- 520/xxvii(1)/2009 दिनांक: 19 जुलाई, 2009 के अनुरूप प्रपत्र संख्या- 43ए (1) 43ए (2) को पुनर्स्थापित करने की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

भवदीया,

(राधा रतूड़ी)
सचिव, वित्त।

संख्या-160/xxvii(1)/2010 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) माजरा, देहरादून।
2. सम्बन्धित सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. निदेशक कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड देहरादून।
4. सम्बन्धित वित्त नियंत्रक उत्तराखण्ड देहरादून।
5. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. उप महाप्रबन्धक, भारतीय स्टेट बैंक, देहरादून।
7. निदेशक, एन.आई.सी. उत्तराखण्ड शासन।

आज्ञा से,

(राधा रतूड़ी)
सचिव, वित्त।